

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

मण्डला। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना के निष्पादन ई-केवाईसी पंजीयन एवं व्यक्तिगत दायित्व से पटवारी संवर्ग को पूर्णतः पृथक् रखने मांग की है। इस संबंध में संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं से अवगत कराया। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र के सर्वेक्षण मानचित्रण एवं तकनीकी कार्यों में पटवारियों ने सहयोगात्मक भूमिका निभाई है। ऐसे में अब उन्हें पंजीयन दस्तावेजों का व्यक्तिगत निष्पादक बनाया जाना उचित नहीं है। दस्तावेजों में पटवारी का नाम पद पहचान एवं ई-सिग्नेचर दर्ज होने से भविष्य में सीमा क्षेत्रफल नामांतरण वारिसान हिस्सेदारी कब्जे अथवा सर्वेक्षण संबंधी विवादों में व्यक्तिगत कानूनी दायित्व पटवारी पर आने की आशंका है। संघ ने फार्मर आईडी कार्य में पटवारियों पर दबाव एवं कार्रवाई रोकने मांग भी की। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के पटवारियों ने कम समय में बड़ी संख्या में फार्मर आईडी बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शेष कार्य तकनीकी समस्याओं के निराकरण के साथ निरंतर प्रक्रिया में किया जाना चाहिए। जिओ टैग गिरदावरी को भी संघ ने अव्यवहारिक बताते हुए इसके समाप्त होने तक गिरदावरी कार्य से वितर रहने की बात कही। साथ ही वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, कैडर रिव्यू एवं पदोन्नति जैसी लंबित सेवा संबंधी समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। संघ ने स्पष्ट किया कि 15 सितंबर से पटवारी स्वामित्व योजना में निष्पादक के दायित्व से वितर रहेंगे। अत्यधिक दबाव बनाए जाने पर प्रदेशव्यापी कलमबंद आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

स्थानीय लोगों ने एवं व्यापारियों ने जनसुरक्षा को लेकर उठाए सवाल

मकान-दुकानों से सटाकर 33 केवी लाइन

* कलेक्टर से मिलकर काम रोकने और जांच किये जाने की मांग।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/शुआबिछिया

विद्युत विभाग अपनी कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी चर्चा में रहा है इस विभाग को सिर्फ और सिर्फ अपने फायदे की बात ही समझ में आती है और विभाग के आलाधिकारी स्वयं का हित साधने में इतने अधिक व्यस्त होते हैं कि उन्हें आमजन की सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं तभी तो 33 केवी जैसी पावरफुल लाइन लोगों के मकानों और दुकानों से सटकर खींची जा रही है। कहा जाता है कि इन तारों में फैलता करंट लोगों को दूर से ही खींच लेता है तब यदि घर के या दुकान के पास इस तरह की स्थिति होगी तो फिर कैसे जीवन सुरक्षित रहेगा। बताया तो यह भी जा रहा है कि इस काम के लिये नगरपालिका प्रशासन से विद्युत



विभाग ने कोई भी एनओसी नहीं ली है बिना नगरपालिका प्रशासन को विश्वास में लिये इस तरह का काम जो कि जनसुरक्षा के दृष्टिकोण से उचित नहीं है विद्युत विभाग आखिर क्यों करने पर तुला हुआ है। सुबह से जैसे ही लाइन खींची जा रही थी लोगों ने विरोध प्रारंभ कर दिया।

मंडला शहर के चिलमन चौक से बड़ी खेरी तक मुख्य मार्ग पर डाली जा रही 33 केवी हाई वोल्टेज बिजली लाइन को लेकर विवाद हो गया है। पड़ाव क्षेत्र के व्यापारियों ने लाइन और बिजली के खंभे दुकानों व मकानों से सटाकर लगाए जाने पर आपत्ति जताई है।

व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मिला। उन्होंने निर्माण कार्य की तकनीकी और सुरक्षा जांच होने तक इसे रोकने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि जिस तरह से लाइन का काम किया जा रहा है, उससे भविष्य में बिजली दुर्घटना का खतरा हो सकता है।

साथ ही, इस्तेमाल किए जा रहे लोहे के क्रॉस-सपोर्ट व अन्य बिजली उपकरणों की गुणवत्ता और सुरक्षा जांच तथा स्वीकृत ड्राइंग और मौके पर हुए काम का मिलान कराने को कहा। व्यापारियों ने सुझाव दिया कि सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ और डिवाइडर योजना को देखते हुए लाइन को सड़क के बीच डिवाइडर या किसी सुरक्षित वैकल्पिक रास्ते से ले जाने की तकनीकी संभावना जांची जाए। उनका कहना है कि सुरक्षा संबंधी आपत्तियों का हल होने तक स्थायी बिजली का ढांचा न बनाया जाए।

व्यापारी प्रतिनिधि गिरीश चंदानी ने बताया कि कलेक्टर ने मामले की जांच कर सही कार्रवाई का भरोसा दिया है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमोद चौरसिया, प्रशांत अग्रवाल, जितेंद्र चौरसिया, अमित चौरसिया, मनोज चौरसिया, श्रीकांत शर्मा, राजकुमार चावला सहित अन्य व्यापारी शामिल थे।



तीन वाहनों से 22 मवेशी बरामद, 32.95 लाख रुपये का मशरूका जप्त

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/शुआबिछिया

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के निदेशन, एसडीओपी बिछिया श्री सौरव तिवारी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बिछिया रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में थाना बिछिया पुलिस द्वारा दिनांक 15/09/2026 की रात्रि गश्त के दौरान विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर नेशनल हाईवे पर सघन वाहन चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों को रोककर जांच की। जांच में तीन अलग-अलग वाहनों में मवेशियों का अवैध एवं क्रूरतापूर्वक परिवहन किया जाना

पाया गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुल 22 मवेशियों सहित तीन वाहनों को जप्त किया।

पुलिस कार्रवाई के दौरान वाहन क्रमांक MP 20 GB 4508 से 05 नग मवेशी (बोदा/पड़ा) बरामद किए गए। वाहन सहित कुल मशरूका की कीमत 6 लाख 10 हजार रुपये है। वाहन क्रमांक MP 20 GB 5704 से 09 नग मवेशी (बोदा/पड़ा) बरामद किए गए। वाहन सहित कुल मशरूका की कीमत 12 लाख 15 हजार रुपये है। आईएस वाहन क्रमांक MP 13 ZX 8054 से 08 नग मवेशी बरामद



किए गए। वाहन सहित कुल मशरूका की कीमत 9 लाख 70 हजार रुपये है। इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल 22 मवेशी एवं तीन वाहन, कुल 32 लाख 95 हजार रुपये का मशरूका जप्त किया गया।

आरोपियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई में अमित कुमार साहू, पिता जागे साहू, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम पडरिया, थाना पनागर, जिला जबलपुर। सपुग लाल यादव, पिता स्व. गोपाल प्रसाद यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम सरौरा, थाना बरेला, हाल ग्राम आवास पडरिया, थाना पनागर, जिला जबलपुर। जावेद खान, पिता फैज मोहम्मद, उम्र 40 वर्ष, निवासी बड़ा मदार छल्ला, शास्त्री वार्ड, थाना हनुमानताल, जिला जबलपुर। अफसर खान, पिता रमजान खान, उम्र 30 वर्ष, निवासी बड़ा मदार छल्ला, शास्त्री वार्ड, थाना हनुमानताल, जिला जबलपुर।

मोहम्मद आसिफ खान, पिता मोहम्मद राशिद खान, उम्र 30 वर्ष, निवासी हड्डी गोदाम, हनुमानताल, जबलपुर। इमरान खान, पिता मोहम्मद रहीम खान, उम्र 27 वर्ष, निवासी मरद टेकरी, थाना हनुमानताल, जबलपुर। सहित कुल 6 आरोपियों के विरुद्ध थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 399/2026, 400/2026 एवं 401/2026 पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

भारतीय किसान संघ तहसील शाखा ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/शुआबिछिया

क्षेत्र के किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिछिया को भारतीय किसान संघ अध्यक्ष जमुना यादव ने अनेक किसानों के साथ ज्ञापन सौंपा और बताया कि भारतीय किसान संघ जो किसानों की हित संवर्धन हेतु सतत कार्य कर रहा है, इस समय क्षेत्र में किसानों को धान का समर्थन मूल्य जो शासन की निर्धारित दर है 3100 रुपये प्रति कूंटल किया जाए, जो राम जी योजना में खेत सड़क योजना को सम्मिलित कर प्रारंभ किया जाए, टूटी फूटी पुर चुकी नहर को र्वि सौजन के पूर्व साफ सफाई एवं पूर्ण किया जाए, कृषि उर्वरक खाद रकवे के आधार पर पोर्टल पर सुनिश्चित किया गया है, किंतु एक बार 50 बोरी लेने के बाद दोबारा पास मशीन से



उपलब्ध नहीं होता है, जबकि पोर्टल पर 50 बोरी से अधिक खाद्य किसान को उपलब्ध कराने के लिए पोर्टल पर दिखाई देता है, जिसके कारण पोर्टल में दर्ज बची हुई शेष खाद्य नहीं मिल पा रही है जो नियम अनुसार मिलना चाहिए, 1 ग्राम किशली भीलवानी में ओबीसी किसानों को जो पूर्व से बसे हुए हैं उन्हें जमीन का पट्टा प्रदान किया जावे, वर्तमान में धान की फसल जो पीली पड़ती जा रही है और पड़ भी चुकी है, इसके रोकथाम के लिए एक कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव जागरूक कैंप लगाई जाए, दूध के मूल्य वृद्धि, गोवंश की

रक्षा किसानों को समुचित लाइट मिल सके इसके लिए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाए, किसानों को अमानक यंत्र, खाद बीज देने पर दंड के साथ ही सजा के प्रावधान की मांग की। अनेक मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा, उक्त कार्यक्रम में जागेश्वर राजपूत, राकेश पुरी गोस्वामी, मोतीलाल जंघेला, त्रिलोक मार्को, अनुज उपाध्याय, अनिल मरावी, तुलसी कुशराम, दुर्गेश यादव, सेव सिंह बलाडी, अमर लाल यादव, दादान यादव, हिरन सिंह सहित अनेक किसान उपस्थित थे।

श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया गया हरितालिका तीज



* पंडालों में गणेश स्थापना को लेकर जबरदस्त उत्साह।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हरितालिका तीज पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर महिलाओं में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। सुहागिन महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में कुंवारी बहनों ने भी विधि-विधान से भगवान शिव एवं

माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर व्रत रखा। हरितालिका तीज के अवसर पर सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में देखी गईं। तिथियों का समीकरण सही नहीं होने के कारण हरतालिका तीज और गणेश चौथ एक ही दिन सोमवार को मनाया गया, जहां सुहागन व्रत धारी महिलाओं ने गोरी शंकर की पूजा की वहीं घर परिवारों सार्वजनिक स्थानों में गोरी पुत्र गणेश भी विराजे, तीजा पर्व के दूसरे दिन प्रातः काल में अपने-अपने घरों से 'तीजा के गौर' कलश लेकर नदी घाट तालाब पहुंचीं। तालाब के घाट पर सभी ने

फोलहरा और गौर कलश लेकर राम मंदिर में दर्शन कर विसर्जन किया वहीं महिलाओं का समूह एकत्रित हुआ। जहां गौर की स्थापना कर विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती की आराधना करते हुए अपने पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य, परिवार की सुख-समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की।

दिनभर रहा भक्ति का माहौल पर्व के दौरान राम मंदिर एनीकेट तालाब घाट एवं आसपास के क्षेत्रों में दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना कर तीज पर्व की रस्में

पूरी कीं। कई स्थानों पर महिलाओं ने एकत्रित होकर तीज पर्व से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं का पालन किया। पूजा के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को हरितालिका तीज की शुभकामनाएं दीं और सभी के सुखी एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामना की। हरितालिका तीज पर्व ने एक बार फिर क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति, धार्मिक आस्था और महिलाओं की श्रद्धा को जीवंत कर दिया। सुबह से लेकर दिनभर महिलाओं में पर्व को लेकर उत्साह और उमंग देखने को मिली।

सरस्वती विद्यालय मंडला के ताइक्वांडो खिलाड़ियों का प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

खंडवा मध्यप्रदेश में आयोजित विद्या भारती अखिल भारतीय 37वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में महाकौशल प्रांत के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंडला के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन

करते हुए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं मंडला जिले का गौरव बढ़ाया। अंडर-14 बालिका 26-29 किलोग्राम वर्ग में वन्या सोनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालक 29-32 किलोग्राम में अभी साहू ने

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर - 14 बालक 38-41 किलोग्राम में शिवम प्रजापति ने कांस्य पदक प्राप्त किया। खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन करने के लिए विद्यालय परिवार शुभकामनाएं प्रेषित करता है और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



महिलाओं ने घरों से लेकर मंदिरों में ऋषियों का पूजन कर मांगका सुखी रहने का वरदान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हिन्दू धर्म के प्रमुख त्यौहार कल मंगलवार को शहर में मादपद शुक्ल की पंचमी को ऋषि पंचमी के रूप में मनाते हुए महिलाओं ने मंदिरों सहित अपने घरों में बड़े ही विधि विधान के साथ मनाई गई। इस शुभ अवसर पर वत रख महिलाओं ने विधि विधान से जीवन को निर्मल बनाने का आशीर्वाद देने वाले ऋषि ऋषियों की भक्तिभाव से पूजन किया और उनकी आरती करने के बाद विद्वान पंडितों से ऋषि पंचमी की कथा का श्रणग कर सप्त ऋषियों से अटल सौभाग्य व पवित्रता में सुख, शांति का आशीष ग्रहण किया, इस मौके पर महिलाओं ने सप्त ऋषियों की पूजन के उपरत वाजना, दक्षिण भेटे कर बाहणों के चरण स्पर्श कर उनका शुभ आशीष ग्रहण किया। बताया जाता है कि ऋषि पंचमी के मौके पर जहां महिलाओं से पंडितजी को अपने घर पर ही बुलाकर पूजन किया गया तो दूसरी ओर नगर के अनेक मंदिरों में महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से पूजन किया गया। इस तरह नगर के विजय कालीनी स्थत शिव मंदिर में महिलाओं का पूजन का कम दिन भर चलते हुये देखा गया जहां पर नगर के विजय कालीनी के आलवा हनुमान वरु सहित पानी टंकी क्षेत्र की महिलाओं ने पहुंचकर सामूहिक रूप से ऋषि पंचमी का पूजन करते हुये भगवान से वरदान मांगा गया।

कामती राष्ट्रबंधु स्मारक के पास फैला हुआ अतिक्रमण बन रहा परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय क्षेत्र के राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले गाडरवारा पिपरिया मार्ग की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां तहां बिकल रहे गड़े वाहन चालकों के लिये परेशानी का कारण तो साबित होते हुये देखे जा रहे है, वहीं दूसरी ओर इस मार्ग पर आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते अनेक लोग अपने जिन्दगी भी गवा चुके है? क्योंकि जहां सड़क की स्थिति लगातार जर्जर होने के बाद भी इसके सुधार की ओर किसी के भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे पड़ने वाले गांवों में सड़क किनारे फैल रहे अतिक्रमण दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण साबित होने से नहीं चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समतल समीपस्थ ग्राम कामती में देखने मिल रही है, बताया जाता है कि इस मार्ग पर पड़ने वाले ग्राम कामती के प्रमुख स्थल राष्ट्रबंधु स्मारक के पास जिस प्रकार से लोगों द्वारा अतिक्रमण करते हुये अपने दुकाने सजाई गई है उसके चलते वाहन चालकों से लेकर आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा होने से नहीं चूक पा रहा है, क्योंकि यह स्थल इस प्रकार से माना जाता है कि यहां पर सड़क का प्रमुख मोड़ होने के कारण जहां वाहन चालकों को सामने से आने वाला वाहन दिखाई नहीं देता है, वहीं दूसरी ओर जम कर कोई वाहन आचानक दूसरे वाहन के सामने आ जाता है तो इस मोड़ पर फैले हुये अतिक्रमण के चलते वाहन चालक अपने वाहन को सड़क की साईड में ले जाने की स्थिति में भी नहीं होता है जिसके चलते इस स्थल पर आये दिन वाहनों की टक्कर होना आम बात हो चुकी है? मगर इसके बाद भी यहां पर फैले हुये अतिक्रमण को लेकर प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह अनुमान लगने से नहीं चूक रहा है कि शायद प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही यहां पर किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो? यदि समय रहते हुये यहां पर फैले हुये अतिक्रमण की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो निश्चित ही ग्राम कामती में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

निर्मल ग्रामो की बर्बादी, कमिशन की आइ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चालाक कर वहां पर लाखों करोड़ो रुपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरों में शौचालय बनाये गये है। वहीं दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुछाड़ना व जल उत्रोती को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लॉक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है।

अन्नदाता की मूंग खरीदे हुये लम्बा समय बीत जाने के बाद भी अनेक किसानों के खातों में नहीं आया पैसा, अपनी जरूरत पूरी करने के लिये साहूकारों की शरण में जाने हैं मजबूर....



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा किसानों द्वारा तैयार किये जाने वाले अनाज को उचित दामों पर खरीदने का भरोसा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है। मगर सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों द्वारा पैदा किये जाने वाले अनाज को खरीदने की जो प्रक्रिया अपनाई जाती है वह निश्चित तौर से अन्नदाताओं के साथ एक छलावा साबित होने से नहीं चूक पाती है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये महिनों में उस समय देखने मिल चुकी है। जब सूरज की तेज तपन के बीच अन्नदाता द्वारा अपने खेतों में रात दिन एक करते हुये गर्मी सीजन की मूंग फसल को तैयार तो कर लिया गया था। मगर सरकार द्वारा जहां माटीपुत्रों के पैरों तले जमीन खिसकने से नहीं चूक पाई थी। इस स्थिति में रात दिन एक करते हुये तैयार की गई मूंग फसल को 75 प्रतिशत खुले बाजार में विक्रय करने के लिये मजबूर होने की स्थिति बन गई थी और मजबूरी के चलते अनेक किसानों द्वारा पत्रकय कर दी गई थी। मगर सरकार के इस से नाखुश किसानों द्वारा प्रदेश की सत्ता के खिलाफ जब राजधानी भेपलते में पहुंचकर हल्ला बोला तो सरकार द्वारा अन्याय न्याय बदलते हुये इसे 60 प्रतिशत कर दिया गया था। वैसे भी देखा जावे तो सरकार से जुड़े हुये लोग किसान द्वारा पैदा कर जाने वाली मूंग को जहरीली मानने



दादा धूनी नगरी में शिक्षकों का चार दिवसीय एफएलाएन प्रशिक्षण हुआ शुरु, बुनियादी साक्षरता सहित संस्थात्मक ज्ञान से किया जावेगा प्रशिक्षित

हरिभूमि न्यूज /साईंखेड़ा। भगवान श्री गणेश जी की पूजन अर्चन के बीच मंगलवार से जनपद शिक्षा केंद्र साईंखेड़ा के अंतर्गत शासकीय शालाओं में कक्षा पहली एवं कक्षा दूसरी का शासकीय स्कूलों अध्यापन करने वाले शिक्षकों के लिए चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण नगर के सांदीपनी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्रारंभ हो गया । बताया जाता है कि इस



प्रशिक्षण की शुरुआत शिक्षकों द्वारा सरस्वती तथा भगवान श्री गणेश जी की वंदना के साथ की गई। वहीं दूसरी ओर प्रशिक्षण का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुश्री सीमा डोंगरे, बीआरसी संदीप स्थापक एवं संदीपनी स्कूल साईंखेड़ा के प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा के निर्देशन एवं मार्ग दर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस तरह प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रशिक्षण सामग्री का वितरण एवं प्री-टेस्ट आयोजित कर प्रशिक्षण की औपचारिक शुरुआत की गई। प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर बीएसी मनीराम मेहरा एवं पवन राजोरिया ने कहा कि सभी शिक्षक सम्पूर्ण सत्रों में सक्रिय रहकर प्रशिक्षण लेें एवं एफएलएन पर अपनी समझ विकसित करें। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर के रूप में शिक्षक राम गोपाल श्रीवास, तुलसीकांत श्रीवास्तव, अमित धाकड़, आदर्श रघुवंशी, चंदन अवस्थी एवं संजय कुमार अवस्थी सहित अन्य ने प्रशिक्षण को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य एफएलएन पर शिक्षकों को नये अपडेट से अवगत कराना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से मिले नये नवाचारो को सभी शिक्षक अपने स्कूलो में लागू करें एवं बच्चों के आधारभूत ज्ञान में वृद्धि कराएँ। उल्लेखनीय है कि यह चार दिवसीय प्रशिक्षण 18 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के दौरान कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान, गतिविधि आधारित शिक्षण एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को लेकर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में शिक्षकों की सहभागिता उत्साहजनक है तथा प्रशिक्षण से संबंधित सभी व्यवस्थाएं बेहतर एवं व्यवस्थित की गई हैं।

सोमवार की रात तीज फुल्हेरा के चलते घर घर रात भरे होते रहे मजन कीर्तन के आयोजन, उत्साह के बीच मंगलवार को किया



हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा।

वैसे तो देखा जावे तो सनातन धर्म में मनाये जाने वाले सभी धार्मिक त्यौहार महत्वपूर्ण होते है। मगर हर तलिका तीजा त्यौहार महिलाओं के विशेष माना जाता है। बताया जाता है कि इस त्यौहार के मौके पर महिलाओं द्वारा सारे दिन बगैर किसी भी प्रकार से अन्न जल ग्रहण किये हुये निर्जला रहते हुये व्रत धारण करने के बाद भगवान

शिवजी व माता गौरी की पूजन करती है। वहीं रात के समय यह पूजन तीन पहर चलती है इसी के चलते महिलाओं द्वारा तीजा व्रत धारण करते हुये घर में लगाये गये फुल्हेरा के पास रात्रि जागरण करते हुये भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इसी के चलते बीते हुये सोमवार की रात को जहां नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा तीजा का व्रत रखते हुये रात भर भजन कीर्तन करते हुये शिव व माता पार्वती की



से नहीं चूकत रहे हे..? अब सबाल यह पैदा होता है कि किसान अपनी फसलों में उन दबाईयों का उपयोग करती है जो शासन द्वारा प्तरधारित करते हुये दुकानों पर विक्रय की जाती है। जब पूरे मापद दंडो से तैयार होने वाली दबाईयों का बाजार में विक्रय किया जा रहा है तो फिर उनका उपयोग करने से किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली फसल जहरीली कैसे हुई..? इसके बाद किसी तरह सरकार द्वारा किसानों की गर्मी सीजन मूंग को समर्थन मूल्य पर 60 प्रतिशत खरीदने का मन तो बना लिया गया था। मगर अपनी मूंग फसल का पत्रकय करने के लिये किसानों को किस तरह परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा था यह सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नहीं होगी..? क्योंकि क्षेत्र के शायद ही ऐसा कोई बेयर हाऊस शेष नहीं रहा होगा जहां पर किसानों द्वारा खून पसीना एक करते हुये तैयार की गई मूंग फसल पर सर्वेयरों ने गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े नहीं किये गये हो..? इस तरह अन्नदाता को प्रतिदिन इस उम्मीद के साथ चेक करते हुये देखा जा रहा है कि शायद उनके खातों में विक्रय की गई मूंग का भुगतान आ गया होगा। मगर अनेक किसानों के खातों में पैसा नहीं आने से अन्नदाता को बैंकों से मायूस होकर लौटने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर जरूरते पूरी करने के लिये साहूकारों की शरण में पहुंचकर मनमाने ब्याज दर पर कर्ज उठाने के लिये मजबूर हो रहा है..? जबकि शासन द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी

एनटीपीसी गाडरवारा में हिंदी पखवाड़ा के तहत हिंदी वाचन सहित आयोजिन की गई विभिन्न प्रतियोगिताये



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ स्थत एनटीपीसी में हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता, अभिरुचि एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों सहित प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 से 28 सितंबर के बीच यानि की पूरे पखवाड़े में किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस दौरान एनटीपीसी की कार्य-संस्कृति अपने आप में विविधता और समावेशिता का सुंदर उदाहरण है। परियोजना में कार्यरत कर्मचारी एवं अधिकारी देश के विभिन्न प्रांतों से आते हैं तथा विभिन्न भाषाई एवं सांस्कृतिक पृष्ठ भूमियों से जुड़े हुए होते हैं। ऐसी बहुभाषी एवं बहु सांस्कृतिक कार्य-परिवेश में हिंदी एक ऐसी साझा भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो सभी को आपस में जोड़ने तथा कार्यस्थल पर सहज एवं प्रभावी संवाद स्थापित करने में सहायक है। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम मे हिम्मत सिंह चौहान परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी द्वारा हिंदी अपील का

वाचन किया गया। इस अवसर पर परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वही कार्यक्रम में राधेश्याम मोर्य, महाप्रबंधक (O&M), राजीव त्रिपाठी, महाप्रबंधक (परियोजना), विवेक गुरु महाप्रबंधक (प्रचालन), पंकज जेठा, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), संतोष गुप्ता महाप्रबंधक (सक्रता) सहित विनोद कांबली महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएँ) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हिम्मत सिंह चौहान परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक ने अपने संबोधन में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी हमारे कार्य स्थल पर प्रभावी, सहज एवं समावेशी संचार का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग केवल एक औपचारिक दायित्व न होकर हमारी कार्य-



संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से कार्यालयीन कार्यों को सरल, सहज, प्रभावी एवं जनसुलभ बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान हिंदी के प्रति रुचि एवं सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इस क्रम में हस्ताक्षर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त "स्मृति परीक्षण" प्रतियोगियों के माध्यम से प्रतिभागियों के हिंदी ज्ञान, स्मरण क्षमता एवं शब्दावली का रोचक एवं ज्ञानवर्धक तरीके से परीक्षण किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों, विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए हिंदी के प्रति अपनी रुचि एवं प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई। वही प्रतियोगिताओं के माध्यम से कार्यस्थल पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं

रचनात्मक वातावरण का भी निर्माण हुआ। एनटीपीसी में चल रहे हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न राजभाषा गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, हिंदी कार्यशालाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना तथा राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को और अधिक सुदृढ़ करना है। एनटीपीसी द्वारा राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हिंदी पखवाड़ा इसी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।कार्यक्रम का समग्र वातावरण उत्साह, सहभागिता, विविधता एवं हिंदी के प्रति सकारात्मक भावना से परिपूर्ण रहा। इस मौके पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि विभिन्न प्रांतों, भाषाओं और संस्कृतियों से जुड़े होने के बावजूद हिंदी सभी को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी के रूप में कार्य कर रही है।

सीखने के लिए आकलन पर आयोजन शैक्षिक संवाद के दौरान हुई वृहद चर्चा



हरिभूमि न्यूज/चीचली। जन शिक्षा केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में पहली एवं दूसरी कक्षा पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया। संवाद का प्रमुख विषय "सीखने के लिए आकलन" रहा। कार्यक्रम में शिक्षकों ने प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों के सीखने के स्तर को समझने, उनकी आवश्यकताओं की पहचान करने तथा आकलन को सीखने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। शैक्षिक संवाद में जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य भूपेश ठाकुर के मार्गदर्शन में सहजकर्ता सत्यम ताम्रकार, मन्ना लाल पटेल एवं बलराम सिंह उदाहरणों के माध्यम से आकलन की अवधारणा को सरल तरीके से समझाया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आकलन का उद्देश्य केवल बच्चों को अंक या ग्रेड देना नहीं है, बल्कि यह जानना है कि बच्चा क्या सीख चुका है। उसे किस स्तर पर कठिनाई आ रही है और उसकी सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक को आगे क्या प्रयास करने की आवश्यकता है। संवाद के दौरान आकलन एवं मूल्यांकन के बीच अंतर को भी विस्तार से समझाया गया। शिक्षकों ने चर्चा करते हुए जाना कि आकलन एक सतत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से बच्चों की सीखने की प्रगति को लगातार समझा जाता है। वहीं मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित अवधि के बाद बच्चे की उपलब्धि का निष्कर्ष निकाला जाता है। सहजकर्ताओं ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों के लिए आकलन सहज, आनंददायक और गतिविधि आधारित होना चाहिए।

के बीच भी भगवान शिवजी की पूजन को लेकर अनोखा उत्साह दिखाई देने से नहीं चूक रहा था। तीजा व गणेश चतुर्थी पर्व एक साथ तथा सोमवार के दिन पड़ना निश्चित ही काफी शुभ संकेत देने से नहीं चूक रहा है। इसी के चलते महिलाओं के साथ साथ पुरुषो द्वारा भी भगवान शिवजी व माता पार्वती सहित सृष्टि के प्रथम पुत्र्य भगवान श्रीगणेश जी से परिचर सहित क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की गई।



तीन लाख की सीसी सड़क उखड़ी, ग्रामीणों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल
अमरपुर। ग्राम पंचायत रमपुरी में 15वें वित्त योजना से करीब तीन लाख रुपये की लागत से बनाई गई सीसी सड़क निर्माण के कुछ समय बाद ही उखड़ने लगी। सलेया शाहपुर मुख्य मार्ग से टिकरा टोला तक बनी सड़क की मौजूदा स्थिति यह है कि कई हिस्सों में कांक्रिट उखड़ चुकी है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है और कुछ स्थानों पर पगडंडी का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क की स्वीकृति वर्ष 2023-24 में हुई थी और मार्च 2023 में इसका भूमि पूजन किया गया था। करीब चार माह बाद निर्माण शुरू हुआ तथा बारिश के बाद काम पूरा किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के कुछ समय बाद से ही इसके क्षतिग्रस्त होने की स्थिति सामने आने लगी थी। सड़क की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही पंचायत में कराए गए अन्य निर्माण कार्यों की भी तकनीकी जांच की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क निर्माण निधारित गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुरूप हुआ था या नहीं।

नगर स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अनूपपुर सीनियर टीम बनी विजेता
अनूपपुर। अनूपपुर एक्सीलेंस विद्यालय के प्रांगण में सोमवार को नगर स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नगर की कुल छह टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अनूपपुर की सीनियर टीम और दिनेश भाई पटेल की टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में अनूपपुर की सीनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि दिनेश भाई पटेल की टीम को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में बल्लू, सुनील एवं अंकुर की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता टीम में रमेश राय, अंबिकेश सोनी, शिवकुमार मिश्रा, दिनेश द्विवेदी, अभिषेक महाराज, सुनील, विक्रांत सिंह साबू एवं रूप सिंह सहित अन्य खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता टीम को 2,100 एवं ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 1,100 एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 500 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण मॉर्निंग स्पोर्ट क्लब के अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। फाइनल मुकाबले के दौरान विद्यालय परिसर में सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दर्शकों ने दोनों टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले का जमकर आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता ने नगर में खेल भावना एवं खिलाड़ियों के प्रति उत्साह का माहौल देखने को मिला।

पटवारी गंगाराम वर्मा की पत्नी के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक
अनूपपुर। तहसील अनूपपुर अंतर्गत ग्राम मेडियारास निवासी एवं राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर कार्यरत गंगाराम वर्मा की धर्मपत्नी के आकस्मिक निधन का दुःखद समाचार सामने आने से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके असमय निधन की खबर से परिजन, रिश्तेदार, सहकर्मी एवं परिचितों में गहरा दुःख व्याप्त है। आकस्मिक निधन की सूचना मिलने पर शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोककुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की गई। परिजनों ने बताया कि निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस दुःख की घड़ी में बड़ी संख्या में लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

राई-धनुवासागर के बाद सुकुलपुरा में भी संदीपनी विद्यालय की गुणवत्ता पर सवाल दीवारों में दशर, सीलन और पानी रिसाव से शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित

डिंडोरी। जिले में पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित संदीपनी विद्यालय भवनों की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मेहंदवानी विकासखंड के राई और जिला मुख्यालय के समीप धनुवासागर के बाद अब बजाग विकासखंड के सुकुलपुरा स्थित संदीपनी विद्यालय भवन में भी निर्माण संबंधी खामियां सामने आई हैं। भवन की दीवारों और बाउंड्रीवॉल में जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही हैं, जबकि कई स्थानों पर सीलन और पानी रिसाव की समस्या बनी हुई है। इससे विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। बताया जा रहा है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से संदीपनी विद्यालय भवनों का निर्माण कराया गया है। हालांकि पहली ही बारिश में राई और धनुवासागर के विद्यालय भवनों की छतों से पानी टपकने और रिसाव की शिकायतें सामने आई थीं। अब सुकुलपुरा के भवन में भी सीपेज और दरारों ने निर्माण गुणवत्ता तथा तकनीकी निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



तकनीकी अमले और ठेकेदार की मिलीभगत के आरोप
तीनों विद्यालयों में सामने आ रही निर्माण संबंधी खामियों को लेकर पुलिस हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उपयंत्री और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। बागवानी कार्यों में भी अनियमितताओं और ठेकेदार को कार्य के अनुपात में भुगतान किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतों



के बाद प्रशासन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। गौरतलब है कि 6 सितंबर को राई और धनुवासागर के संदीपनी विद्यालयों में छत टपकने और निर्माण संबंधी अनियमितताओं को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद भवनों में सुधार और मरम्मत का काम शुरू किया गया था। आरोप है कि यह कार्य ठेकेदार के बजाय विभागीय तकनीकी अमले की निगरानी में कराया जा रहा है। मामले में अब तक जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने से भी सवाल उठ रहे हैं। जिला

पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए संदीपनी विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं और इनके निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं मीडिया के साथ राई, धनुवासागर और सुकुलपुरा स्थित विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे तथा निर्माण कार्य में गड़बड़ी पाए जाने पर कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा।

एक माह से फूटी पाइपलाइन, सड़क पर बह रहा हजारों लीटर पानी



शहपुरा। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक-1 में पेयजल पाइपलाइन के लीकेज और अधूरे नाली निर्माण के चलते रहवासियों की परेशानी बढ़ गई है। करीब एक माह से मुख्य नल कनेक्शन की पाइपलाइन से लगातार पानी बह रहा है। पानी नाली में जाने के बाद निकासी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने से आसपास जलभराव की स्थिति बन रही है। रहवासियों के अनुसार प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन लीकेज की शिकायत नगर परिषद के अधिकारियों से कई

बार की गई। इसके बाद मरम्मत भी कराई गई, लेकिन लीकेज पूरी तरह बंद नहीं हुआ और पानी का बहाव लगातार जारी है। इससे एक ओर पेयजल की बर्बादी हो रही है, वहीं दूसरी ओर जमा पानी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

अधूरी नाली से बड़ी समस्या
वार्ड में नाली निर्माण का काम भी अभी पूरा नहीं हुआ है। नाली अधूरी होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित हो रही है और कई स्थानों पर पानी जमा हो रहा है। लंबे

समय तक पानी जमा रहने से गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी सामने आ रही है। रहवासियों के मुताबिक नाली निर्माण पूरा कराने को लेकर भी नगर परिषद से कई बार आग्रह किया जा चुका है। जलभराव के कारण क्षेत्र में मच्छरों की संख्या बढ़ने की शिकायत रहवासियों ने की है। लोगों का कहना है कि जमा पानी के कारण मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। बरसात के दौरान यदि जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो समस्या और बढ़ने की आशंका है। करीब एक माह से जारी पाइपलाइन लीकेज को लेकर रहवासियों ने तत्काल स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। साथ ही अधूरे नाली निर्माण को पूरा कर जल निकासी की व्यवस्था सुधारने का आग्रह किया है। रहवासियों का कहना है कि पाइपलाइन की मरम्मत और नाली निर्माण पूरा होने से पानी की बर्बादी के साथ जलभराव की समस्या से भी राहत मिल सकती है।

गणेशोत्सव में भक्ति का माहौल बनाए रखने की मांग, पुलिस को सौंपा आवेदन

शहपुरा।

गणेश उत्सव के दौरान धार्मिक गरिमा और मर्यादा बनाए रखने की मांग को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी शहपुरा को आवेदन सौंपा। संगठन ने गणेश पंडालों में लाउडस्पीकर के माध्यम से अश्लील, अभद्र अथवा धार्मिक भावनाओं के विपरीत गीतों के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि गणेश उत्सव आस्था और श्रद्धा का पर्व है। ऐसे में पंडालों में भजन, धार्मिक गीत और मर्यादित संगीत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिससे उत्सव का धार्मिक स्वरूप और वातावरण बना रहे। पदाधिकारियों ने पुलिस को सभी गणेश उत्सव समितियों के ध्वनि प्रसारण एवं अन्य निर्धारित नियमों का पालन करने के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया। राष्ट्रीय बजरंग दल के ब्लॉक अध्यक्ष



कृष्णा अग्रवाल के नेतृत्व में आवेदन सौंपा गया। इस दौरान राहुल यादव, तुषार विश्वकर्मा,

महेंद्र यादव, नेहाल साहू, ओम श्रीवास, निखिल अग्रवाल, साहिल झरिया, कान्हा गुप्ता,

राजकिशोर यादव और राजेन्द्र यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रनगांव पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर शिकायत

शहपुरा- डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रनगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि मूल हितग्राही के खाते में जमा न कर कथित रूप से दूसरे व्यक्ति के खाते में स्थानांतरित किए जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम रनगांव निवासी राजकुमार यादव ने अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर मामले की जांच एवं दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, राजकुमार यादव की दिवंगत मां सिया बाई यादव के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किया गया था। आरोप है कि योजना की देय राशि मूल हितग्राही के खाते में जमा न कर कथित रूप से किसी अन्य व्यक्ति के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गई। शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं संबंधित वार्ड पंच पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सिया बाई यादव के स्थान पर किसी अन्य



व्यक्ति का बैंक खाता लगाकर योजना की राशि का भुगतान कराया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें इसकी जानकारी तब हुई जब वह अपनी दिवंगत मां के आवास की राशि के संबंध में जानकारी लेने ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित वार्ड पंच की पत्नी ग्राम पंचायत में मोबिलाइजर के पद पर कार्यरत थीं। शिकायतकर्ता ने पंचायत स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग भी की है। राजकुमार यादव ने प्रशासन से मांग की है कि प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि

किस खाते में और किस आधार पर जारी की गई, इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि उनकी दिवंगत मां सिया बाई यादव के पति मिश्रीलाल यादव को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। अब प्रशासनिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्रधानमंत्री आवास की राशि वास्तव में किस खाते में जारी हुई और शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

उप निर्वाचन को लेकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण

डिंडोरी।

जनपद पंचायत सदस्य उप निर्वाचन 2026 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक जी.एस. चौहान ने मंगलवार को जनपद पंचायत करंजिया क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों से मतदान प्रक्रिया की तैयारियों की जानकारी ली। प्रेक्षक चौहान ने जनपद पंचायत करंजिया में स्थापित स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सुझाव एवं व्यवस्थाओं के संबंध



में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया की स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचारू एवं

अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचारू एवं

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए कहा।

खबर संक्षेप

पटवारियों संघ ने सौंपा झापन



हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने स्वाभिम्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना के तहत होने वाले निष्पादन, ई-केवाईसी, पंजीयन एवं व्यतिवृत दायित्व से जुड़े कार्यों से पटवारी संघर्ग को त्थक रखने की मांग की है। इस संबंध में जिला पटवारी संघ नरसिंहपुर की ओर से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं कलेक्टर नरसिंहपुर के नाम झापन सौंपा गया। झापन में उल्लेख किया गया कि पटवारी संघ स्वाभिम्व योजना का विरोध नहीं करता। संघ का मानना है कि योजना से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को उनकी संपत्ति संबंधी अधिकारों का अभिलेख मिलने तथा ऋण आदि की सुविधा प्राप्त होने में मदद मिलेगी।

किसानों ने रैली निकालकर सौंपा झापन



हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक के उपरांत रैली निकाल कर कलेक्टर कार्यालय में झापन सौंपा। जब किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे कृषि विभाग के उप संचालक ने किसानों की नाराजगी को देखते हुए किसानों के बीच आए एवं जमीन पर बैठकर समस्याओं की सुना। किसान संघ के प्रदेशव्यापी झापन कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नाम झापन सौंपा गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में ढावा राशि भुगतान की पारदर्शिता सुनिश्चित करें। खेत इकाई माना जाए। सोयाबीन फसल की समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु पंजीयन प्रारंभ कराएं जाए। नकली बीज देने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही की जाए। मूंग का बकशा भुगतान शीघ्र कराया जाए। लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिलाया जाए। गन्ना मूल्य 600 रु प्रति विंटल दिलाया जाए। सभी डी सी केंद्रों से किसानों को ट्रॉसफार्मर उपलब्ध कराया जाए तथा अन्य मांगों को लेकर झापन सौंपा गया।

अमृत सरोवर मामले में अब डीजीपी से शिकायत, लंबित जांच पर सवाल

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। अमृत सरोवर योजना के निर्माण कार्यों में अनियमितता और कूटरचना के आरोपों को लेकर पूर्व में प्रकाशित शिकायतों के बाद अब निर्माण एजेंसी के संचालक शशिकांत सिरवैया ने पुलिस महानिदेशक भोपाल और पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को पुनः शिकायत दी है। शिकायत में पूर्व में सामने आए मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने कोदरास कला के ग्राम डुंगरिया, पिपरिया तथा पांजरा के ग्राम थ्यारी में हुए निर्माण कार्यों में वास्तविक मूल्योंकन नहीं किए जाने और फर्जी मस्टररोल के माध्यम से शासकीय राशि के आहरण के आरोप दोहराए हैं। साथ ही संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों, उपयंत्री और सहायक यंत्री की भूमिका की जांच किए जाने की मांग की गई है। शिकायत में ग्राम पंचायत लिघारी एवं पुस्ताना के विरुद्ध 21 दिसंबर 2025 को दर्ज प्रकरणों में आरोपियों की गिरफ्तारी और आगे की कार्रवाई लंबित होने का उल्लेख किया गया है। वहीं ग्राम पंचायत खमरिया (नारिया) से संबंधित जांच को लेकर भी शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। शिकायत के अनुसार इस मामले की जांच एसडीओपी नरसिंहपुर मनोज गुप्ता कर रहे थे, लेकिन करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। इसी बीच एसडीओपी मनोज गुप्ता का स्थानांतरण भोपाल उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय के पद पर हो गया है। ऐसे में लंबित जांच को लेकर आगे की कार्रवाई और जांच की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि खमरिया (नारिया) सहित सभी संबंधित प्रकरणों की जांच समयबद्ध रूप से पूरी कराई जाए तथा यदि किसी स्तर पर जांच लंबित है तो उसकी जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही पूर्व में दर्ज मामलों में भी जांच और कार्रवाई की प्रगति स्पष्ट करने की मांग की गई है।



55 दिन की धार्मिक यात्रा में निकले भगवत सिंह

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम भरवारा सूखा निवासी भगवत सिंह रविदास 55 दिन की धार्मिक यात्रा पर निकले। श्री रविदास ने बताया कि पूर्व में भी साइकिल से मैहर, कलकत्ता, अमरकंटक सहित अन्य स्थानों की धार्मिक यात्रा की जा चुकी है। अब पुनः अनेकों स्थानों की यात्रा के लिए रवाना हुए है। उनके शुभचिंतकों द्वारा मंगलकामनाओं के साथ शुभ यात्रा की कामना की है।

तीजा व्रत धूमधाम से मना, महिलाओं ने पति की दीर्घायु की कामना की



एवं माता पार्वती का पूजन किया। घरों में भी तीजा व्रत की तैयारियां की गईं तथा धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। व्रत के चलते बाजारों में भी दिनभर चहल-पहल रही। महिलाओं ने पूजा सामग्री, फल, मिठाई, श्रृंगार सामग्री सहित अन्य आवश्यक सामान की खरीदारी की। शाम के समय कई स्थानों पर महिलाओं ने एकत्रित होकर तीजा व्रत की कथा सुनी और धार्मिक परंपराओं का पालन किया। पूरे दिन नगर में भक्ति एवं धार्मिक वातावरण बना रहा।

अभियान की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने दिए निर्देश

आशीर्वाद का दीया से शुरू होगा एक माह का सेवा संकल्प अभियान

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। प्रशासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान को लेकर कलेक्टर ने बैठक आयोजित कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उक्त आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से होगा। अभियान की प्रभावी एवं व्यापक जनभागीदारी आधारित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक एवं साप्ताहिक टोएल बैठक मंगलवार को बैठक ली। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर को सिंगरी नदी तट, मगरधा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां 11 हजार दीपों का सामूहिक प्रज्वलन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के अन्य प्रमुख एवं ऐतिहासिक स्थलों पर भी वृहद स्तर पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में लगभग 1.5 लाख नागरिकों तथा 650 संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में लगभग 90 हजार चिन्हित हितग्राही परिवार अपने घरों पर दीप प्रज्वलित करेंगे।

एक माह तक चलेगी गतिविधियां

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में विभिन्न विभागों के समन्वय से पूरे एक माह तक अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान में सेवा मेरा योगदान की भावना के साथ नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के तहत 17 सितंबर को सभी सीएच एचसी एचसी में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं 17 से 29 सितंबर तक स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन होगा। किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की स्वास्थ्य जांच तथा आईएफए वितरण जैसी गतिविधियां भी की जाएंगी। ग्राम स्तर पर वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा तथा जिले की 81 गैशालाओं में भी वृक्षरोपण किया जाएगा। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ, श्रमदान और स्वच्छता अभियान आयोजित होंगे। जल संरक्षण एवं जल स्रोतों की सफाई के संबंध में विशेष



गतिविधियां प्रस्तावित हैं।

विविध कार्यक्रमों को होगा आयोजन

अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए राष्ट्र व्यापी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ‘विकसित भारत/2047’ एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा-कार्य की थीम पर विद्यार्थी अपनी रचनात्मक सहभागिता देंगे। इसी क्रम में फिट इंडिया खेल सत्र, योग एवं ध्यान,



वंचित बच्चों को शिक्षा सामग्री एवं नामांकन सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता तथा विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। अभियान में वृद्धाश्रम एवं अनाथालय भ्रमण, वरिष्ठजनों एवं अनाथ बच्चों के साथ संवाद एवं सम्मान, वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान, दिव्यांगजन सहायता गतिविधियां तथा नशामुक्त भारत जागरूकता जैसे कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं।

डाइट में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग हेतु कार्यक्रम संपन्न



हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

गत दिवस जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के तहत जागरूकता व विजज कार्यक्रम का सफल

आयोजन किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी उमंग कुमार जैन तथा डाइट के प्राचार्य राजीव कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सहयोग से संपन्न हुआ।

अधिकारियों एवं शिक्षकों से मिले दिशा-निर्देशों के आधार पर वॉलंटियर्स ने संस्थान के छात्र-छात्राओं को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग की पूरी चयन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

हरे-भरे पेड़ों पर चला विद्युत विभाग का ‘आरा’

श्मशान घाट की जमीन पर भी कब्जा करने का भड़के श्रीनगरवासी

श्रीनगर। गांव श्रीनगर में विद्युत विभाग द्वारा नवीन भवन एवं नई विद्युत लाइन के निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर बिना विधिवत सीमांकन के निर्माण कार्य आगे बढ़ाने और हरे-भरे पेड़ों की कटाई करने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्माण कार्य की जद में श्मशान घाट की जमीन भी आ रही है और श्मशान घाट परिसर के कुछ पेड़ों को भी काट दिया गया है।

मामले की जानकारी मिलते ही सोमवार दोपहर करीब 1 बजे ग्राम पंचायत के सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्युत मंडल श्रीनगर पहुंचे ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर निर्माण स्थल और काटे गए पेड़ों का निरीक्षण किया तथा पूरे मामले पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

बिना सीमांकन काम आगे बढ़ाने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि श्रीनगर में विद्युत विभाग द्वारा नवीन सब स्टेशन/भवन और नई विद्युत लाइन के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन जिस जमीन पर काम किया जा रहा है उसका विधिवत सीमांकन कराए बिना ही कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत विभाग को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि निर्माण के लिए कितनी जमीन निर्धारित है और उसकी वास्तविक सीमा कहां तक है। इसके बाद ही निर्माण कार्य आगे बढ़ना चाहिए।मामले में सबसे ज्यादा नाराजगी श्मशान घाट परिसर के पेड़ों को काटे जाने को लेकर सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट गांव की



महत्वपूर्ण सार्वजनिक जमीन है और वहां मौजूद पेड़ वर्षों से ग्रामीणों के लिए छाया एवं पर्यावरण का सहारा रहे हैं।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य की जद में आने वाले कुछ हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया है, जिससे गांव में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मांग की कि पेड़ों की कटाई और जमीन के उपयोग की पूरी स्थिति स्पष्ट की जाए।'ग्रामीणों का कहना है कि श्रीनगर की आबादी लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में श्मशान घाट की जमीन पहले से ही सीमित है। ऐसे में यदि विद्युत विभाग के निर्माण के लिए श्मशान घाट की जमीन का बड़ा हिस्सा चला गया तो भविष्य में ग्रामीणों के सामने अंतिम संस्कार तक की समस्या खड़ी हो सकती है।ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि अगर श्मशान घाट की जमीन ही कम होती चली गई तो आने वाले समय में ग्रामीण अपने मृतकों का अंतिम संस्कार कहां करेंगे।ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास कार्य के विरोधी नहीं हैं, लेकिन गांव की सार्वजनिक जमीन, श्मशान घाट और हरे-भरे पेड़ों की कीमत पर विकास स्वीकार नहीं किया जाएगा।ग्रामीण अपनी शिकायत लेकर विद्युत मंडल श्रीनगर पहुंचे, लेकिन मौके पर संबंधित अधिकारी मौजूद नहीं मिले। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मुलाकात करने का प्रयास किया। फोन पर संपर्क करने पर अधिकारियों की ओर से बताया गया कि वे

फिलहाल फील्ड में हैं और एक अधिकारी छुट्टी पर है कहा कि अगले दिन ग्रामीणों से मुलाकात की जाएगी।अधिकारियों के मौके पर मौजूद नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि मामला गांव की जमीन, श्मशान घाट और पेड़ों से जुड़ा है, इसलिए विभाग को ग्रामीणों की आपत्तियों को गंभीरता से सुनना चाहिए।ग्रामीणों ने साफ कहा है कि यदि निर्माण कार्य नियमों के अनुसार और निर्धारित जमीन पर होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बिना सीमांकन के गांव की जमीन पर निर्माण और हरे-भरे पेड़ों की कटाई किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे क्षेत्र का विधिवत सीमांकन कराया जाए, श्मशान घाट की जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए और पेड़ों की कटाई के मामले की भी जांच कराई जाए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो बुधवार को ग्रामीण आगे की रणनीति तय करेंगे और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ जमीन का मामला नहीं है, बल्कि गांव की हरियाली, श्मशान घाट और आने वाली पीढ़ियों की धरोहर का सवाल है। अपनी जमीन और गांव की सार्वजनिक धरोहर को बचाने के लिए वे आगे तक संघर्ष करने को तैयार हैं।

22 करोड़ खर्च होने के बाद भी जंगल की घाटी में गड्ढे ही गड्ढे



तेंदूखेड़ा सहजपुर मार्ग पर कीचड़ में फंस रहे वाहन

तेंदूखेड़ा। नरसिंहपुर और सागर जिले की सीमाओं से सीधे जोड़ने वाले सड़क मार्ग की दास्तां इन दिनों विकास के दावों और प्रशासनिक पोल खोलती नजर आ रही है। इस रूट के सुदृढ़ीकरण और नवनिर्माण के लिए लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत के प्रोजेक्ट्स यह है कि यह सड़क आज भी 100 प्रतिशत पूरी नहीं हो पाई है और तेंदूखेड़ा नगर परिषद की सीमा निकलते ही वार्ड क्रमांक 14 भौरपानी के आगे तरफ से ऊपर जंगल के रास्ते घटित तक मिट्टी क्रेशर तक सड़क मार्ग जिस स्थिति में है। उससे ना केवल लोग परेशान हैं बल्कि आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

जंगल के बीच घाटी का हिस्सा अब भी अछुता

करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी इस मार्ग का सबसे महत्वपूर्ण और कठिन हिस्सा जंगल से होकर गुजरने वाली जंगली घाटी की सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है। इस पैच पर आज भी पक्की सड़क या डामरीकरण का नमोनिशान नहीं है। जंगल के बीच का यह कच्चा और दुर्गम मार्ग बारिश के दिनों में पूरी तरह कीचड़ का दलदल बन जाता है जहां वाहन चालकों की सांसें अटक जाती हैं। बड़े बड़े गड्ढों से निकल पाना दुश्वार हो गया है।

विकास के दावों के बीच हिचकोले खाता सफर

लाखों-करोड़ों के बजट और कागजी दावों के



विपरीत जमीन पर स्थिति यह है कि जनता आज भी बदहाली का शिकार है। सड़क का एक बड़ा हिस्सा अधूरा छोड़ने के कारण आवागमन सुगम होने के बजाय और अधिक जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बजट स्वीकृत होने और कार्य के नाम पर खानापूर्ति किए जाने के बावजूद मुख्य जंगली घाटी वाले हिस्से को जस का तस छोड़ दिया गया है, जिससे ठेकेदार और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वैसे भी यह सड़क मार्ग दो जिलों की सीमाओं के कारण विकास के नाम पर तरसता रहा है। जैसे जैसे कई दशकों बाद इस मार्ग का उद्धार होने के दिन आये तो उसमें भी फिर एक हिस्सा छोड़ देना किये कराये पर पानी

फेरने वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

बड़ा हादसा होने का इंतजार कर रहा प्रशासन

घने जंगल और घाटी के इस जर्जर रास्ते से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक एम्बुलेंस और स्कूली बसें रोज अपनी जान जोखिम में डालते हैं। ग्रामीणों ने एक बार फिर आशंका जाहिर की है कि यदि जल्द ही इस जंगली घाटी वाले अधूरे हिस्से का निर्माण कार्य शत प्रतिशत पूरा नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। पिछले दिनों यहां पर कुछ डम्पर भी पलट चुके हैं और यात्री बस भी पलट चुकी है।

